दिनांक 01 अप्रैल 2020 को केन्द्रीय बोर्ड के निदेशकों से संबंधित संक्षिप्त जानकारी

कार्यपालक निदेशक

श्री रजनीश कुमार, अध्यक्ष

श्री रजनीश कुमार, अपनी पदोन्नति से पूर्व, भारतीय स्टेट बैंक में राष्ट्रीय बैंकिंग समूह (एनबीजी) के प्रबंध निदेशक रह चुके हैं। एसबीआई में अपने 39 वर्ष से अधिक के करिअर के दौरान, उन्होंने विभिन्न पदों पर कार्य किए हैं जिनमें प्रबंध निदेशक (अनुपालन एवं जोखिम) शामिल हैं। इससे पूर्व उन्होंने एसबीआई कैपिटल मार्केट्स के प्रमुख के रूप में कार्य किया है, जो एसबीआई समूह की एक निवेश बैंकिंग अनुषंगी है। उन्होंने मिड कॉरपोरेट ग्रुप और प्रोजेक्ट फाइनेंस जैसे बैंक के विभिन्न व्यवसाय समूहों में अनेक पदों पर भी कार्य किया है, वे एसबीआई के उत्तर-पूर्वी मंडल के मुख्य महाप्रबंधक भी रहे हैं। एसबीआई की विदेश स्थित संस्थापनाओं में, उन्होंने एसबीआई कनाडा और उसके बाद एसबीआई की यूके स्थित संस्थापनाओं के क्षेत्रीय प्रमुख की जिम्मेदारी भी संभाली है। श्री कुमार ने भौतिकी (फिजिक्स) से स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की है।

श्री दिनेश कुमार खारा, प्रबंध निदेशक (ग्लोबल बैंकिंग एवं अनुषंगियां)

श्री दिनेश कुमार खारा को वाणिज्यिक बैंकिंग के सभी कार्यों का 33 वर्ष से अधिक का अनुभव है। श्री खारा, प्रबंध निदेशक के पद पर ग्लोबल मार्केट, कॉरपोरेट बैंकिंग और बैंक की गैर-बैंकिंग अनुषंगियों के व्यवसायों का पर्यवेक्षण संभाल रहे हैं। उन्होंने एफएमएस, नई दिल्ली से एमबीए की डिग्री प्राप्त की है और वे वाणिज्य में स्नातकोत्तर हैं।

श्री अरिजित बसु, प्रबंध निदेशक (वाणिज्यिक ग्राहक समूह एवं आईटी)

श्री अरिजित बसु प्रबंध निदेशक के रूप में कॉर्मशियल क्रेडिट एवं आईटी क्षेत्रों से संबंधित कार्यों का प्रबंध संभालते हैं। अर्थशास्त्र में स्नातक और इतिहास में एम.ए. की डिग्री के साथ, श्री बसु ने दिसंबर 1983 में एक प्रोबेशनरी अधिकारी के तौर पर बैंक में अपना करिअर शुरू किया। श्री बसु अगस्त 2014 से मार्च 2018 तक एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी रहे। उनके कार्यकाल के दौरान, इस कंपनी की अक्टूबर 2017 में स्टॉक एक्सचेंज लिस्टिंग हुई। अपने करिअर से पूर्व, श्री बसु एसबीआई में अनेक प्रमुख पदों पर कार्य कर चुके हैं। इनमें दिल्ली मंडल के मुख्य महाप्रबंधक और टोकियो में जापान स्थित संस्थापनाओं के क्षेत्रीय प्रमुख एवं सीईओ भी रहे हैं। उन्होंने कॉरपोरेट बैंकिंग, इंटरनेशनल बैंकिंग, रिटेल बैंकिंग और एचआर सहित बैंक के विभिन्न व्यवसाय समूहों में कार्य किया है। वे बैंक द्वारा शुरू की गई व्यवसाय प्रक्रिया पुनर्संरचना (बीपीआर) का भी पदभार संभाल चुके हैं।

श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक (रिटेल एवं डिजिटल बैंकिंग)

श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी ने भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यभार संभाल लिया है और वे रिटेल एवं डिजिटल बैंकिंग के कार्यों का संचालन करेंगे। वह तनावग्रस्त आस्तियों से संबंधित कार्यों के प्रबंध का अतिरिक्त कार्यभार भी संभालेंगे।

कृषि में विज्ञान स्नातक और भारतीय बैंकर्स संस्थान के प्रमाणित एसोसिएट श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी ने वर्ष 1988 में भारतीय स्टेट बैंक में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपना करियर शुरू किया था। अपने तीन दशकों के करियर में उन्हें कॉरपोरेट ऋण, रिटेल बैंकिंग और विकसित बाजारों में बैंकिंग का विशद अनुभव प्राप्त है।

प्रबंध निदेशक का कार्यभार संभालने से पहले श्री शेटी उप प्रबंध निदेशक के रूप में बैंक के तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह का नेतृत्व कर रहे थे, जहां वे बिजली, इंफ्रा, ऑटो, टेलीकॉम आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में देश भर में बैंक के तनावग्रस्त आस्ति संविभाग के समाधान की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

श्री शेटी के भारतीय स्टेट बैंक में प्रमुख पदधारों में कॉरपोरेट लेखा समूह में मुख्य महाप्रबंधक और महाप्रबंधक, वाणिज्यिक शाखा, इंदौर में उप महाप्रबंधक और एसबीआई, न्यूयॉर्क शाखा में वीपी एंड हैड (सिंडिकेशंस) शामिल हैं।

गैर - कार्यकारी निदेशक

श्री संजीव मल्होत्रा

(जन्म दिनांक : 1 अक्टूबर 1951)

श्री मल्होत्रा 26 जून 2017 से 25 जून 2020 तक एसबीआई अधिनियम की धारा 19(सी) के तहत शेयरधारकों के निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त किए गए हैं। वे एक सनदी लेखाकार हैं और उन्हें ग्लोबल बैंकिंग एवं वित्त में वरिष्ठ पदों पर 42 वर्ष का अनुभव है। इसमें जोखिम प्रबंधन, कॉरपोरेट और निवेश बैंकिंग, उपभोक्ता वित्त एवं सूक्ष्म उद्यम ऋणान्वयन, निजी ईक्विटी शामिल हैं।

श्री भास्कर प्रमाणिक

(जन्म दिनांक : 20 मार्च 1951)

श्री प्रमाणिक 26 जून 2017 से 25 जून 2020 तक एसबीआई अधिनियम की धारा 19(सी) के तहत शेयरधारकों के निदेशक के रूप में नियुक्त किए गए हैं। वे आईआईटी, कानपुर से एक इंजीनियरिंग स्नातक हैं। श्री प्रमाणिक को भारतीय आईटी उद्योग का 45 वर्ष से अधिक का अनुभव है। बैंक के बोर्ड में नियुक्त होने से पूर्व, उन्होंने भारत में माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। उन्होंने ओरेकल तथा सन माइक्रोसिस्टम्स के प्रबंध निदेशक के रूप में भी कार्य किया है।

श्री बसंत सेठ

(जन्म दिनांक : 16 फरवरी 1952)

श्री सेठ 26 जून 2017 से 25 जून 2020 तक एसबीआई अधिनियम की धारा 19(सी) के तहत शेयरधारकों के निदेशक के रूप में नियुक्त किए गए हैं। वे एक सनदी लेखाकार हैं। श्री सेठ को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, कॉरपोरेट अभिशासन तथा प्रशासनिक मामलों सहित बैंकिंग एवं वित्त में 40 वर्ष से अधिक का अनुभव है। बैंक के बोर्ड में आने से पहले, वे केन्द्रीय सूचना आयुक्त के रूप में कार्य कर चुके हैं। वे सिंडिकेट बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक भी रह चुके हैं। उन्होंने सिडबी तथा बैंक ऑफ इंडिया में वरिष्ठ पदों पर भी कार्य किया है।

श्री बी. वेणुगोपाल, निदेशक

(जन्म दिनांक : 18 मई 1959)

श्री वेणुगोपाल 7 जून 2018 से 25 जून 2020 तक एसबीआई अधिनियम की धारा 19(सी) के तहत शेयरधारकों के निदेशक के रूप में निर्वाचित किए गए हैं। उन्होंने केरल विश्वविद्यालय से कॉमर्स एवं कॉस्ट अकाउंटेंसी में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। उन्हें बीमा, वित्त और आईटी में 30 वर्षों से अधिक का अनुभव है।

डॉ. पूर्णिमा गुप्ता

(जन्म दिनांक : 20 नवंबर 1949)

डॉ. पूर्णिमा गुप्ता भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (डी) के तहत 01 फरवरी 2018 से तीन वर्ष के लिए केन्द्र सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं। वे दिल्ली विश्वविद्यालय में गणित की प्रोफेसर हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से गणित विषय में पीएचडी की है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय में बीएससी (गणित) तथा एमए (गणित) दोनों में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। उनका मुख्य योगदान “डोमिनेशन इन ग्राफ एण्ड हाइपर ग्राफ” सिद्धांत, ग्राफोडियल कवर्स तथा “पार्टिशन ग्राफ” के क्षेत्र में है।

श्री संजीव महेश्वरी

(जन्म तिथि: 26 अगस्त, 1964)

श्री संजीव महेश्वरी भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (डी) के अनुसार केंद्रीय सरकार द्वारा 20 दिसंबर, 2019 से 3 वर्षों की अवधि के लिए नामित एक निदेशक हैं।

श्री महेश्वरी एक चार्टर्ड अकाउंटेंट और दिवालियापन मामलों के पेशेवर विशेषज्ञ हैं। ये लेखा-परीक्षा, कराधान और प्रबंधन परामर्श के क्षेत्र में 33 वर्षों से अधिक का अनुभव रखते हैं। ये भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान की केंद्रीय परिषद के 9 वर्षों से सदस्य हैं, और आईसीएआई के अकाउंटिंग स्टैंडर्ड्स बोर्ड के 3 वर्षों से अध्यक्ष हैं। इस दौरान भारतीय लेखा मानक बनाने में भी इनका योगदान रहा है। ये आईसीएआई की अधिकांश तकनीकी समितियों के अध्यक्ष या सदस्य रहे हैं। ये कार्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा गठित गुणवत्ता समीक्षा बोर्ड के एक सदस्य भी रहे हैं और दक्षिण एशियाई लेखाकार परिसंघ की अनेक समितियों के एक सदस्य भी रहे हैं।

श्री देबाशीष पांडा

(जन्म दिनांक : 05 जनवरी 1962)

श्री देबाशीष पांडा भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (ई) के तहत 24 जनवरी 2020 से अगले आदेश तक केन्द्र सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं। वे भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवाएं विभाग में सचिव हैं। वे यूपी कैडर के 1987 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। वे ओडिशा राज्य से हैं। वे 23.3.2018 को वित्तीय सेवाएं विभाग में अपर सचिव के रूप में शामिल हुए थे और 13.12.2019 को उन्हें विशेष सचिव के रूप में पदोन्नत किया गया। वे भौतिकी, विकास प्रबंध

विज्ञान में पोस्ट ग्रेजुएट हैं और उन्होंने पर्यावरण विज्ञान में एम फिल की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने विदेश में यूएसए और फिलीपींस से लोक प्रशासन में प्रशिक्षण भी लिया है।

वर्ष 1987 में सरकारी सेवा ग्रहण करने के बाद वे उत्तर प्रदेश सरकार में अनेक प्रमुख पदों जैसे देवरिया, टिहरी, उत्तरकाशी और गाजियाबाद के जिला मजिस्ट्रेट और प्रधान सचिव (गृह एवं सामान्य प्रशासन) के पदों पर कार्यरत रहे हैं। वे भारत सरकार में संयुक्त सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में उप निदेशक (प्रशासन) के पदपर भी सेवारत रहे हैं। वित्तीय सेवाएं विभाग के अपर सचिव का पदभार ग्रहण करने के पहले उनके पास दिल्ली में यूपी के रेज़िडेंट कमिश्नर के साथ साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण का दोहरा पदभार था।

श्री चंदन सिन्हा

(जन्म दिनांक: 15 अगस्त 1957)

श्री चंदन सिन्हा भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (एफ) के तहत आरबीआई की संस्तुति पर 28 सितंबर 2016 से अगले आदेश तक केंद्र सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं। श्री चंदन सिन्हा सीएएफआरएएल, मुंबई में अपर निदेशक हैं।